बर्षः- 05
अंकः- 262
मुरादाबाद
(Tuesday)
13 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि अर्पित की, पीएम ने कहा - मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि

सोमवार को पूरा देश स्वामी विवेकानंद की जयंती मना रहा हैं। इस बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।सोमवार को पूरा देश स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती मना रहा है। रामकृष्ण मठ और मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में, मंगल आरती और विशेष प्रार्थनाओं के साथ उत्सव की शुरुआत सुबह जल्दी हो गई। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता में

नरेंद्रनाथ दत्ता के रूप में हुआ था। उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और मिशन की विभिन्न शाखाओं ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जुलूस निकाले, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कहा कि उन्होंने भारतीयों में राष्ट्रीय गौरव का संचार किया। इसके साथ ही युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया राष्ट्रपति मूर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा एक कालजयी दूरदर्शी और आध्यात्मिक व्यक्तित्व। उन्होंने यह उपदेश दिया कि आंतरिक शक्ति और मानवता की सेवा एक सार्थक जीवन की नींव हैं। उन्होंने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया।वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा भारतीय युवाशक्ति के सशक्त प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व विकसित भारत के संकल्प में निरंतर नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। मेरी कामना है कि राष्ट्रीय युवा दिवस का यह दिव्य अवसर सभी देशवासियों, विशेषकर हमारे युवा साथियों के लिए नई शक्ति और नया आत्मविश्वास लेकर आए। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र-निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं।राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अमित शाह ने एक्स पर लिखा, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मैं उन्हें नमन करता हूं।राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। स्वामी विवेकानंद ने देश के युवाओं को भारत की ज्ञान परंपरा, दर्शन और आध्यात्मिकता से जोड़ा और इसकी पहुंच वैश्विक मंचों तक पहुंचाई।उन्होंने कहा, रामकृष्ण मिशन के माध्यम से उन्होंने सामाजिक सेवा के आदर्शों की स्थापना भी की। स्वामीजी के विचार, जो लक्ष्य प्राप्त करने से पहले न रुकने का संदेश देते हैं, युवाओं में कर्तव्य और देशभक्ति की भावना जगा रहे हैं और एक विकसित भारत के निर्माण को गति दे रहे हैं।उत्तरी कोलकाता में स्वामी विवेकानंद के जन्मस्थान शिमला स्ट्रीट पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के देशभक्ति, सामाजिक सेवा और सांप्रदायिक सद्भाव के आदर्श लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और मार्गदर्शक शक्ति बने हुए हैं। बनर्जी ने कहा कि देश प्रेम, गरीबों और पीड़ितों की सेवा और एकता, शांति और सद्भाव के संदेश की उनकी शिक्षाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है।

संक्षिप्त समाचार

राजदूत सर्जियो गोर बोले- कोई भी देश भारत जितना अहम नहीं; ट्रंप करेंगे दौरा, व्यापार वार्ता जारी

भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने द्विपक्षीय संबंधों पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मतभेदों को भुलाकर सच्चे दोस्त आगे बढ़ने पर भरोसा रखते हैं। गोर ने राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की संभावना पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते के लेकर दोनों देशों की वार्ता जारी है।भारत में नए अमेरिकी राजदूत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विश्वासपात्र माने जाते हैं। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने दोनों देशों के बीच साझेदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में राष्ट्रपति ट्रंप भारत दौरा जरूर करेंगे। गोर ने दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की संभावनाओं पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। नए अमेरिकी राजदूत के मुताबिक ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया जा सके, इसे लेकर भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय वार्ता जारी है।गोर ने भारत आने को अपना सौभाग्य बताया पिछले साल हुई नियुक्ति के बाद पदभार ग्रहण करने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे नए अमेरिकी राजदूत ने कहा, भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने अपनी भावी योजना के बारे में कहा, %मेरा स्पष्ट लक्ष्य भारत-अमेरिका संबंधों को अगले स्तर पर ले जाना है।%मोदी और ट्रंप की दोस्ती सच्ची-गोर ने दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद और अमेरिकी राष्ट्राध्यक्ष के सकारात्मक रवैये का संकेत भी दिया।

चुनाव आयोग पर CM ममता के गंभीर आरोप, कहा- 20 वर्षों के वैधानिक सुधार की अनदेखी कर रहा EC

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को नया पत्र लिखा है।

उन्होंने निर्वाचन आयोग पर सुधारों की अनदेखी करने के आरोप लगाए हैं। सीएम ममता ने कहा कि आयोग के रूख के कारण मतदाताओं को अपनी पहचान दोबारा सिद्ध करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, %आयोग अपने ही 20 वर्षों के वैधानिक सुधारों की अनदेखी कर रहा है, जिससे मतदाताओं को अपनी पहचान दोबारा स्थापित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बता दें कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले भी एक अन्य पत्र में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समक्ष कई गंभीर मुद्दे उठाए थे।चुनाव आयुक्त को लिखा पांचवां पत्र पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को सोमवार को एक और पत्र लिखा है। यह उनका पांचवां पत्र है। इसमें उन्होंने वोटर लिस्ट के %स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन% (एसआईआर) प्रक्रिया में हो रही गड़बड़ियों पर चिंता जताई है।ममता बनर्जी का दावा है कि 2002 की वोटर लिस्ट को डिजिटल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया गया, जिससे गंभीर गलतियां हुई हैं। उनका कहना है कि इन तकनीकी खामियों की वजह से असली वोटरों को गलत तरीके से %विसंगति% वाली श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है।चुनाव आयोग पर आरोप-मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह अपनी ही पुरानी प्रक्रियाओं की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में जो सुधार हुए थे, उन्हें दरकिनार कर वोटरों को फिर से अपनी पहचान साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने इसे मनमाना और संविधान की भावना के खिलाफ बताया। सुनवाई प्रक्रिया पर सवाल-बनर्जी ने यह भी कहा कि एसआईआर के दौरान जमा किए गए दस्तावेजों की कोई रसीद नहीं दी जा रही है। उन्होंने सुनवाई प्रक्रिया को पूरी तरह मशीनी और संवेदनहीन बताया। उनका कहना है कि यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं से खाली है और लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रही है।

भारत जर्मनी का भरोसेमंद और पसंदीदा साझेदार;द्विपक्षीय वार्ता के बाद जर्मन चांसलर मर्ज

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भारत के दो दिवसीय दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर चांसलर मर्ज 12-13 जनवरी 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर है, यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगीप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ कार पर बैठकर फोटो साझा करते हुए लिखा भारत और जर्मनी की दोस्ती साझा मूल्यों, व्यापक सहयोग और आपसी समझ के जरिए लगातार मजबूत हो रही है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि ईरान के लोग आजादी और बेहतर जीवन के लिए शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं और यह उनका अधिकार है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के साहस की सराहना करते हुए कहा कि वे अत्यधिक हिंसा का बहादुरी से सामना कर रहे हैं। चांसलर मर्ज ने ईरान की सरकार और नेतृत्व से अपील की कि वे अपने नागरिकों को धमकाने के बजाय उनकी सुरक्षा करें। उन्होंने कहा कि ईरानी लोगों के खिलाफ की जा रही हिंसा ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी की निशानी है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए।जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि जर्मनी ऐसी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करता है, जिसमें सभी देश स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से रह सकें। चांसलर मर्ज ने कहा कि दुनिया की व्यवस्था तेजी से बदल रही है, जहां बड़ी ताकतों की राजनीति और प्रभाव क्षेत्रों का दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस

की आक्रामक कार्रवाई इस बदलाव का सबसे गंभीर उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि हर मुद्दे पर सभी की राय एक जैसी नहीं होती, चाहे वह भारत-जर्मनी हों या यूरोप के अन्य साझेदार। लेकिन इसके बावजूद, दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर मजबूत सहमति और सहयोग मौजूद है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि भारत जर्मनी के लिए एक भरोसेमंद और पसंदीदा साझेदार है।प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय का जर्मनी के साथ पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जर्मनी हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलते आए हैं और उनकी दोस्ती का असर वैश्विक स्तर पर दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि घाना, कैमरून और मलावी जैसे देशों में चल रही दोनों देशों की त्रिपक्षीय विकास साझेदारी दुनिया के लिए एक सफल मॉडल है। उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी ग्लोबल साउथ के देशों के विकास के लिए मिलकर प्रयास जारी रखेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज का आभार जताते हुए कहा कि भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-फ्री ट्रांजिट की घोषणा दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तों को और मजबूत करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी है कि जर्मन मैरीटाइम म्यूजियम, गुजरात के लोथल में बन रहे नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के साथ सहयोग कर रहा है। उन्होंने इसे दोनों देशों के समुद्री इतिहास को जोड़ने वाला ऐतिहासिक कदम बताया।संयुक्त प्रेस वार्ता में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि जर्मनी भारत के साथ संबंधों को और ऊंचे स्तर पर ले जाना चाहता है। आने के निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह न सिर्फ दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है, बल्कि उनके प्रति दिखाई गई दोस्ती और सम्मान को भी दर्शाता है। भारत-जर्मनी आर्थिक संबंधों की पूरी क्षमता को हासिल करने के लिए भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (स्नञ्ज) पर बातचीत को पूरा करना बेहद जरूरी है।उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी सुरक्षित और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाने के लिए भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इन सभी विषयों पर आज हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (MoUs) से सहयोग को नई गति मिलेगी। पीएम मोदी ने बताया कि रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और साझा सोच का प्रतीक है। उन्होंने रक्षा व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए चांसलर मर्ज का आभार जताया और कहा कि रक्षा उद्योगों में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए एक रोडमैप पर भी काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच पुराने और गहरे जन-से-जन संबंध रहे हैं। उन्होंने बताया कि रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाओं ने जर्मनी के बौद्धिक जगत को नई सोच दी, वहीं स्वामी विवेकानंद के दर्शन ने जर्मनी सहित पूरे यूरोप को प्रेरित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैडम कामा ने जर्मनी में पहली बार भारत का स्वतंत्रता ध्वज फहराकर आजादी की आकांक्षाओं को वैश्विक पहचान दिलाई। आज इन्हीं ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक साझेदारी में बदला जा रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि खेलों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं, जिससे युवाओं के बीच जुड़ाव मजबूत होगा। इसके साथ ही उच्च शिक्षा के लिए तैयार किया गया व्यापक रोडमैप शिक्षा क्षेत्र में साझेदारी को नई दिशा देगा। उन्होंने जर्मन विश्वविद्यालयों से भारत में अपने कैंपस खोलने का भी आग्रह किया।

जनता दर्शनः सीएम योगी बोले- अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं...भूमाफिया के खिलाफ जारी रहेगा एक्शन; सुनीं समस्याएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अवैध कब्जे और दबंगों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का भरोसा दिलाया। बच्चों को दुलारते हुए ठंड में विशेष देखभाल की सलाह दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है।

इसमें हीला-हवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें। इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता दे रही सरकार- गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने 'जनता दर्शन' में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम ने कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। आप भी हॉस्पिटल से जल्द एस्टिमेट बनवाकर दें, एस्टिमेट मिलते ही आपके इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी। धन के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा। सीएम योगी ने किया नौनिहालों को दुलार- 'जनता दर्शन' में कई बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। नन्हे-मुन्ने बच्चों के सामने सीएम योगी का बालप्रेम फिर उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने बच्चों का हाल जाना, उन्हें दुलारा-पुचकारा और चॉकलेट दी। सीएम ने अभिभावकों से कहा कि ठंड में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। यह अपनत्वपूर्ण भाव सुनकर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

संपादकीय Editorial

World order in danger, Trump's rampant rampage

India must now make it clear that it will not tolerate Trump's arbitrariness. While conveying this message to the US, it must also consider how to confront Trump's bullying by joining forces with the world's leading nations, as there is no other option. Trump imposed heavy tariffs on oil buyers from Russia. The US withdrew from more than 60 global organizations. India must stop Trump's bullying of other countries. After attacking Venezuela and threatening to forcibly annex Greenland, a Danish autonomous region, US President Donald Trump has become even more rampant. Now, he has approved a bill that would impose a 500 percent tariff on countries buying oil from Russia. Since the major oil buyers from Russia are China, India, and Brazil, there is no doubt that they are unable to overcome the arbitrary belief that countries buying oil from Russia are helping Russia continue its war against Ukraine. Trump has already imposed a 50 percent tariff on India. Any further increase would mean economic sanctions. A testament to Trump's arbitrariness is his withdrawal from more than 60 international organizations, including the India-led International Solar Alliance. Of the organizations the US has announced its withdrawal from, nearly 30 are affiliated with the United Nations. Trump has previously withdrawn the US from several important global institutions. His wholesale withdrawal from several organizations now clearly demonstrates his desire to completely disrupt the world order. Through his arbitrariness, Trump is taking the world not only back to the Cold War era, but to an era before that, when there was no such thing as a world order. If Trump thinks the world will bow to his threats and capricious decisions, that's not going to happen. Keep in mind that even Europe is now forced to speak out against him. No matter how much Trump boasts, America's status today is not what it was two or three decades ago. The dollar's dominance is also waning. Trump must realize that despite all his efforts, he has failed to stop Russia's attack on Ukraine. He is also unable to influence China and Brazil, and India is clearly signaling that it will not bow to his pressure. This is why Trump's frustration with India is growing. In the coming days, India-US relations may deteriorate further. India must now make it clear that it will not tolerate Trump's arbitrariness. Along with conveying this message to America, it must also consider how to confront Trump's bullying by joining forces with the world's leading nations, as there is no other option left.

Spend five days in Himachal.

The "That's You" initiative will count tourism steps, meaning slow tourism will be energized to keep tourists for longer. Clearly, if Himachal Pradesh promotes relaxing days and nights instead of crowded tourist destinations, this caravan will reach its economic milestones. First, Himachal's tourism needs to expand not just to Shimla, Manali, Dalhousie, Kasauli, Dharamshala, and McLeodganj; it must begin with border tourism and expand throughout the state. To achieve the vision of making the entire state a tourist state, public behavior, hotel business practices, policies, hospitality from all departments, and new infrastructure will need to be rewritten. Ironically, tourists leave Himachal for various reasons. There's no effort to attract tourists with the excuse of extended stays, hospitality, and attractions. Meanwhile, the transport mafia is operating in the packages being offered. Extended hospitality is a tradition that, to learn, requires departmental coordination, a friendly touch of business, and social responsibility. Within Indore city itself, a cluster of 56 shops called Bhog can offer a variety of dishes to welcome almost every tourist. Similarly, many such stops could develop in Himachal. As Himachal is being introduced to the country's youth through weekend tourism, it is generating its own demand and supply. The traditional method of demand and supply for pilgrimage has progressed, while Himachal has much to do in the concept of travel. For example, as the number of stops on the Mani Mahesh Yatra increases, the number of days for demand and supply will also increase. Therefore, it is also necessary to identify where and how to spend five to seven days in Himachal. Currently, the Ghritamandhal is decorated in the Kangra temple. If we turn this festival into a cultural journey leading up to Lohri and Makar Sankranti, then several days can be spent visiting Kangra-Baijnath, including numerous temples, tea garden tours, the heritage Masroor and Old Kangra Fort, boating and bird watching at Pong Lake, and the Lohri festival at Garli-Paragpur. In fact, we limited ourselves to a brief visit to the Atal Tunnel, while a five- to seven-day travelogue would be needed to explore its tribal heritage, cultural landscapes, tribal lifestyle practices, and the ancient Buddhist tradition. In Himachal, you'll find bloggers, video presenters, and program hosts giving voice to virtually every type of tourism. We need to organize a workshop with these individuals to encourage the tourists who are personally attracted to the vast landscape for five to seven days of engagement. If tourism doesn't move beyond Chintpurni, Jwalaji, Balasundari, or Naina Devi, the stay will be limited to one or two days. Furthermore, by systematically implementing development plans for temple complexes, the number of days for religious pilgrimages can be increased. If these are combined with a few days of relaxation for the body and mind through Ayurvedic practices, the tourism potential will be enhanced. Similarly, by adding color to apple, tea, tribal festivals, and various fairs and festivals, these can become confluence points for longer trips. While enhancing the quality of health tourism, various convenient packages will provide a few days off from the hustle and bustle of life and the dust and hectic schedules of tourists' native places. Each department in Himachal Pradesh should develop its own plan and develop comprehensive tourism packages, enabling students, researchers, writers, and those with a wanderlust to add additional experiences to their long vacations. In this context, various universities should also include seminars and conferences to promote tourism in their calendars. The way Himachal is fulfilling the criteria of working from home, a second home for the country's IT professionals, needs to be highlighted. Himachal needs to capitalize on regional tourism. Currently, tourists traveling north from Maharashtra, Gujarat, and South India spend most of their days in Delhi, Jaipur, or Jammu and Kashmir, while Himachal is barely touched upon during these trips. Indeed, we must embrace the importance of tourism right from the entrance of Himachal. To this end, bridges must be established between tourism and transportation, strengthening public transportation and taxi services at affordable rates.

Political Parties Understand Their Responsibility to the Nation

The Indian public may agree or disagree with the policies and decisions of political parties and governments, but they do not forgive those who harbor ill will towards the country, discredit democracy, and conduct and behavior contrary to Indian culture. If political parties ignore this and do not change their course, no one can save them from their plight. All parties have a shared responsibility in addressing national challenges. Congress must overcome the Gandhi-Nehru syndrome. Regional parties also face the problem of nepotism and individualism. Today, the country faces a complex global situation. Amidst numerous aspirations, developments in the neighborhood are not a good sign. This is a shared challenge not just for the government and the ruling party, but for all political parties. Just as fingers vary in size and length, but everyone contributes to a powerful fist, similarly, parties vary in size and length, but everyone will contribute to building a strong and developed India. In addressing the challenges facing the country, it is the ruling party's responsibility to take opposition parties into confidence and maintain regular dialogue with them. The way Prime Minister Modi took all parties into confidence regarding Operation Sindoor was commendable. This enhanced the stature of both the Prime Minister and Indian democracy. Opposition parties also felt they had a role to play in resolving national crises. The Prime Minister's resolve of "Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Prayas, and Sabka Vishwas" should be reflected not only in elections, but also in policymaking, serious decision-making, and addressing national crises. Congress is the most important opposition party in the country. It has been in power for a long time. It must understand the difficulties faced by the government and its expectations from the opposition. The country's political system was once called the "Congress system," but today the country is moving towards the "BJP system." If Congress wants to remain relevant in Indian politics, it will have to shift gears in its leadership, ideology, organization, and work culture. First, Congress must overcome the "Gandhi-Nehru syndrome." Why does Congress believe that without "Gandhi," its ship will sink? Why was a "Gandhi" needed over the Manmohan Singh government? Despite Mallikarjun Kharge being Congress president, why does he need a "Gandhi high command"? Many leaders in the Congress are capable of leadership, but why does the party continue to rely on Gandhi even seven decades after independence? "Gandhi" is a surname bestowed by Mahatma Gandhi on Indira Gandhi's husband, Feroze. Neither religion nor caste can change the surname "Gandhi." Today, even at the ideological level, the Congress has become directionless. Why do leaders of the party that led the freedom movement go abroad and question Indian democracy and constitutional institutions? Most opposition leaders, instead of offering meaningful, logical, and constructive criticism, tarnish their own and their parties' image with accusations, insinuations, sarcasm, and unruly behavior. Even at the organizational level, the Congress is in a very weak state. In the states where the Congress still has political ground, it is not because of its organization, but because of public resentment against non-Congress parties. The hard work of ordinary workers in the Congress party is meaningless, as every decision is determined by the high command or the first family. So why should workers work hard? Consequently, the Congress organization exists only on paper. This high command culture has destroyed internal democracy and corrupted the work culture within the party. The trend of leaving the Congress, which began with Lohia, Jayaprakash Narayan, and Acharya Kripalani, has continued through Morarji Desai, Chaudhary Charan Singh, Chandrashekhar, Jagjivan Ram, Sharad Pawar, Mamata Banerjee, and continues to grow, including Ghulam Nabi Azad, Jyotiraditya Scindia, Jitin Prasada, and Jagan Mohan Reddy. It's natural to ask what invisible power exists within the Gandhi family that keeps Congress from escaping its control. More or less, the situation of the Congress is similar to that of Mayawati's BSP in Uttar Pradesh, Akhilesh Yadav's SP, Lalu Prasad Yadav's RJD in Bihar, Jagan Mohan Reddy's YSR Congress in Andhra Pradesh, MK Stalin's DMK in Tamil Nadu, and Mamata Banerjee's Trinamool Congress in Bengal. The BSP, once a nationally influential party, is now becoming irrelevant due to Mayawati's work culture. Akhilesh Yadav's caste-based identity politics and lack of understanding of socialist ideology and inclusive politics have led to the SP forming alliances with the Congress, the BSP, and smaller and marginal parties. The criminal work culture of the RJD government in Bihar has become a thorn in the side of party leader Tejashwi Yadav. Jagan Mohan Reddy, bypassing his party organization in Andhra Pradesh, created a personal-organizational system and projected himself as an angel, the adverse consequences of which are evident. While Chief Minister Stalin is playing the politics of Tamil identity and anti-Hindi in Tamil Nadu, Prime Minister Modi is uniting North and South through the Kashi Tamil Sangam in Varanasi. Mamata Banerjee's protection of Bangladeshis and Rohingyas under the guise of Bengali identity may bring her the pleasures of power, but it poses a significant challenge to Bengal and national security. Political parties have to understand that they can enjoy democratic politics and federal system only as long as the sovereignty, security and prosperity of the country remains intact. These parties are responsible for running the central, state, and local governments. Therefore, they need not be anxious. The Indian public may agree or disagree with the policies and decisions of political parties and governments, but they do not forgive those who harbor ill will toward the country, spread disinformation against democracy, and display views and behavior contrary to Indian culture. If political parties ignore this and do not change their course, no one can save them from their plight.

न्यायिक कर्मी का कत्ल: छोड़ दो मेरे शौहर को..., मिन्नतें करती रही बीवी, न पसीजे हमलावर, आधा घंटे गुंडागर्दी

यूपी के अमरोहा जिले में सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत के कर्मचारी को बीच सड़क पीट-पीटकर मार डाला। कार की साइड लगने पर बाइक सवारों ने न्यायिक कर्मचारी को पहले गाड़ी से खींचा। इसके बाद बीवी और बच्चों के सामने पीट-पीटकर मार डाला। अमरोहा के डिडौली में गलत दिशा से ओवरटेकिंग के दौरान बाइक के पास से गुजर रही कार टच होने पर बाइक सवारों ने कार चला रहे न्यायिक कर्मचारी को पीट-पीटकर मार डाला। कार की साइड लगने से आपा खोए बाइक सवारों का दुस्साहस इतना था कि फोन से नजदीकी गांव के रिश्तेदारों को मौके पर बुला लिया। फिर आगे बढ़ चुकी कार को पीछा कर जबरन रुकवा लिया और सरेराह सरेआम गुंडई का शिकार हुए राशिद हुसैन (38) अमरोहा में सिविल जज

वाले राशिद अपनी पत्नी रुखसार (35), भतीजे सलमान व अपने तीन पट्टी जा रहे थे। बाइक ने रॉन्ग साइड से किया ओवरटेक- सीओ अभिषेक पहुंची, तभी पीछे से आ रही बाइक ने रॉन्ग साइड से ओवरटेक किया। इस बाइक न गिरी, न कोई नुकसान हुआ। इसके बाद भी बाइक पर सवार दोनों होने लगी। आपा खोए युवकों में से एक ने अपने परिजनों व रिश्तेदारों को वारदात को अंजाम देकर भाग गए। यह वारदात रविवार दोपहर की है। जूनियर डिवीजन के न्यायालय में कार्यरत थे। अमरोहा के मोहल्ला नल के रहने बच्चों (दो बेटे, एक बेटी) के साथ कार से रिश्तेदारी में मुरादाबाद के गांव यादव ने बताया कि जैसे ही राशिद हुसैन की कार बंबूगढ़-जोया बाईपास पर दौरान कार की साइड बाइक से छू गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस दौरान युवक कार में बैठे परिवार को धमकाने लगे। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी फोन कर मौके पर आने के लिए कहा। यह देख राशिद ने कार आगे बढ़ा दी। राशिद के भतीजे सलमान ने बताया कि कार डिडौली थाना क्षेत्र में पथकोई-हुसैनपुर की पुलिया तक पहुंची थी कि वही दोनों युवक व उनके रिश्तेदार बाइकों से पीछा करते वहां पहुंच गए। जबरन कार रुकवाकर राशिद को बाहर खींच लिया और सभी ने लात-घूंसों से इतना पीटा कि वह मरणासन्न हो गए। भतीजे सलमान व कार में बैठीं राशिद की पत्नी उन्हें बचा नहीं सके। इस बीच जुटे आसपास के लोगों ने राशिद को हमलावरों के बीच से निकाला, जिसके बाद आरोपी भाग गए। मुरादाबाद ले जाते समय रास्ते में ही राशिद ने तोड़ा दम- परिजन उन्हें नजदीक के निजी अस्पताल ले गए, जहां से मुरादाबाद रेफर किया गया। मुरादाबाद ले जाते समय रास्ते में ही राशिद की सांसें थम गईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन हमलावरों हाथ नहीं आए। एसपी अमित कुमार आनंद भी घटनास्थल पर पहुंचे और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों के गठन का एलान किया। सात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज- सीओ अभिषेक यादव ने बताया कि मृतक के भतीजे सलमान ने डिडौली के हुसैनपुर गांव निवासी कलीम, शान, कसीम, नसीम और तीन अज्ञात के खिलाफ डिडौली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कसीम और नसीम सगे भाई हैं, जबकि कलीम और शान चचेरे-तहेरे भाई हैं। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। सात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पत्नी करती रही मिन्नतें, गिड़गिड़ाते रहे बच्चे, नहीं पसीजे हमलावर- वो सात थे और चाचा (राशिद) अकेले...बाइक से कार छू जाने भर के बदले सातों ऐसे टूटे कि देखते-देखते राशिद हुसैन बेसुध होकर जमीन पर गिर गए। उन्हें बचाने की कोशिशें कामयाब न होती देख चाची (रुखसार) उनके आगे हाथ जोड़कर मिन्नतें करने लगीं, मासूम बच्चे गिड़गिड़ाते रहे मगर बेरहम हमलावरों को न बच्चों पर तरस आया और न रुखसार की रुलाई उन्हें पिघला सकी। राशिद को गिरा-गिरा कर तब तक लात-घूंसे बरसाए, जब तक वह दम तोड़ने की नौबत तक नहीं पहुंच गए। यह कहना है 22 वर्षीय सलमान का, जो वारदात के समय अपने चाचा न्यायिककर्मी राशिद हुसैन के साथ कार में सवार थे। राशिद की पत्नी रुखसार (35) और बेटी मायरा (04), बेटा आरिश (08) और अम्माद (02) भी सफर में उनके संग थे। सभी खुशी-खुशी रुखसार के चाचा के घर जाने के इरादे से निकले थे। वारदात के बाद से रुखसार के आंसू थम नहीं रहे हैं। अपनी आंखों के सामने पति की जान जाती देखने के बाद से रुखसार की आवाज नहीं निकल रही। सिर्फ रुलाई फूट रही है। सहारा दे रहीं महिलाएं कह रही थीं। छोड़ दो मेरे शौहर को...पर बेरहम नहीं मानेसलमान ने बताया कि हमलावरों के आगे हाथ जोड़कर मिन्नतें कर रहीं चाची बार-बार कह रही थीं कि मेरे शौहर को छोड़ दो...। उनकी चीखें-चिल्लाहट न हमलावरों का रुख बदल सकीं और न राशिद का बचाव हो सका। सब कुछ मिटाकर ही हमलावरों के वार रुके। फॉरेंसिक टीम ने की जांच- राशिद हुसैन की हत्या के बाद एसपी अमित कुमार आनंद के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने कार की भी बारीकी से जांच कर कुछ साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपियों ने सीने पर बरसाए लात-घूंसे- राशिद हुसैन के भतीजे सलमान ने बताया कि हमलावरों ने कार से खींचकर चाचा पर लात-घूंसों से बेशुमार वार किए। ज्यादातर वार उनके सीने पर किए गए। बाद में आसपास के लोगों को इकट्ठा होता देख आरोपी मौके से भाग गए।

हवा में शहर के विकास की कई बड़ी योजनाएं, एलिवेटेड रोड और मल्टीलेवल पार्किंग फाइलों में बंद

मुरादाबाद जिले में विकास से जुड़ी अहम योजनाएं अब तक कागजों और बैठकों तक ही सीमित हैं। कंटेनर डिपो और दोनों बस अड्डों को शिफ्ट करने और मल्टीलेवल पार्किंग जैसी योजनाएं लंबे समय से प्रस्तावित हैं। लेकिन कोई भी योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। मुरादाबाद जिले में विकास की महत्वपूर्ण योजनाएं हवा में हैं। मुरादाबादियों को सपने दिखाएं गए लेकिन योजनाएं धरातल पर नहीं उतर सकीं। कोई फाइलों से बाहर नहीं निकली तो कोई बस अड्डे बाहर हो सके और न ही कंटेनर डिपो। एलिवेटेड ही है।कंटेनर डिपो को शहर से बाहर करने की मांग लंबे अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। ऐसे ही रोडवेज बसों की हुए दोनों बस अड्डों को भी दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। हालिया योजनाओं शामिल हैं। मल्टीलेवल पार्किंग = नहीं तय हो पाई लंबे समय से दावे किए जा रहे हैं। कई बार प्रस्ताव तैयार मल्टीलेवल पार्किंग शहर को मिल जाएगा लेकिन यह पिछले वर्ष स्टेशन के पास खाली कराई गई जमीन पर भी कही गई थी लेकिन वक्त के साथ यह दावा भी हवा में ही तो कोई जगह तय हुई और न ही इसकी डीपीआर सामने

बैठक तक ही सीमित हो रह गई। न तो दोनों रोड और मल्टीलेवल पार्किंग अभी तक सपना समय से चली आ रही है लेकिन यह मांग वजह से शहर में लगने वाले जाम को देखते की योजना कई बार बनी। मगर इस योजना में मल्टीलेवल पार्किंग और एलिवेटेड रोड जगह- शहर में मल्टीलेवल पार्किंग को लेकर हुए और कई बार कहा गया कि जल्द सपना अधूरा ही रहा। नगर निगम की ओर से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कराने की बात रहा। अबतक मल्टीलेवल पार्किंग के लिए न आई है। एलिवेटेड रोड = फव्वारा चौराहे से मिगलानी सिनेमा तक था प्रस्तावित - स्टेशन रोड का ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए फव्वारा चौराहे से लेकर मिगलानी सिनेमा तक एलिवेटेड रोड बनाए जाने की बात दशकों से चल रही है। पीडब्ल्यूडी की ओर से भेजे गए प्रस्तावों पर मुहर नहीं लगी तो नगर विधायक की पहल पर इसे नगर निगम की ओर से शासन में भेजा गया।दावा किया गया कि सीएम ग्रिड योजना के तहत इस रोड का निर्माण कराया जा सकता है लेकिन इस प्रस्ताव को भी शासन से हरी झंडी नहीं मिल पाई। इसके बाद नगर विधायक ने सेतु निगम की ओर से प्रस्ताव बनवाकर शासन को भेजा है लेकिन इस प्रस्ताव को भी अभी तक मंजूरी नहीं मिल सकी है। रामपुर रोड पर लगने वाले जाम से लोग रोजाना जूझ रहे हैं।रोडवेज बस अड्डा शिफ्टिंग की योजना भी अधर में लटकी - रामपुर दोराहा स्थित लक्ष्मीपुर कट्टई में 35 एकड़ की जमीन पीतलनगरी बस अड्डा शिफ्ट करने के लिए चिन्हित की गई थी। इसमें बस अड्डे को पांच से 10 एकड़ जमीन की जरूरत थी। वहीं अगवानपुर के पास मुरादाबाद बस अड्डा शिफ्ट करने के लिए पांच एकड़ से अधिक जमीन देखी गई थी। दोनों जगह की जमीन की जानकारी जुटाकर शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। करीब एक साल हो चुके हैं लेकिन अभी तक इसको लेकर शासन से कोई जवाब नहीं आया। नहीं बनेगा पीपीपी मोड में पीतलनगरी बस अड्डा-सात साल पहले पीतलनगरी बस अड्डे का निर्माण होने की वजह से अब इसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर नहीं दिया जाएगा। इसके लिए क्षेत्रीय प्रबंधक ने जानकारी जुटाकर शासन को पत्र भेज दिया है। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि पीतलनगरी बस अड्डा पांच करोड़ की लागत से तैयार किया गया है।इस बस अड्डे की बिल्डिंग ठीक है। इसे फिर से बनाने की कोई जरूरत नहीं है। पीतलनगरी बस अड्डे से प्रतिदिन संभल और संदौसी के लिए 250 बसों का संचालन किया जाता है। यहां से प्रतिदिन 20 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि बस अड्डे पर बिल्डिंग से संबंधित किसी तरह की कोई समस्या नहीं है। इसकी बिल्डिंग अभी मजबूत है। इस बस अड्डे को पीपीपी मोड में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसे आधुनिक बस टर्मिनल व शॉपिंग कांप्लेक्स के रूप में विकसित कराए जाने का सहमति जताई गई है। एआरएम फाइनेंस बीएल मिश्रा ने बताया कि पीतलनगरी बस अड्डे की बिल्डिंग 2019 में बनाई जाने की वजह से इसे पीपीपी मोड में नहीं बनाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। आगे की कार्यवाही शासन स्तर पर की जाएगी। एलिवेटेड रोड को लेकर संबंधित विभागों की मंगलवार को बैठक बुलाई गई है। इसमें आगे की योजना पर चर्चा की जाएगी। बस अड्डों की शिफ्टिंग के लिए शासन को फाइल भेजी गई है। - अनुज सिंह, डीएम

मुरादाबाद में सपा के वर्तमान व पूर्व सांसद के बीच घमासान, बढ़ती गुटबाजी पर लगाम के लिए गाइडलाइन जारी

मुरादाबाद में सपा सांसद और पूर्व सांसद के बीच बयानबाजी का मामला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गया है। इसके बाद सपा ने गुटबाजी पर रोक लगाने के लिए गाइडलाइन जारी की है। मीडिया या सोशल मीडिया पर पार्टी नेताओं के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप और अभद्र भाषा को अनुशासनहीनता माना जाएगा। मुरादाबाद में सपा सांसद और पूर्व सांसद के बीच चल रही बयानबाजी का मामला सपा के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गया है। पार्टी के भीतर जारी की गई। मीडिया या सोशल मीडिया पर एक- इस्तेमाल को अनुशासनहीनता करार दिया जाएगा।हाल आयोजित किया था जिसमें मौजूदा सांसद रुचिवीरा में भाजपा के तीन बड़े स्थानीय नेता शामिल हुए थे। हसन पर टिप्पणी की थी और उन पर गंभीर आरोप की थी। इस मामले पर भाजपा विधायक ने भी अपनी पहले पिछले महीने भी महानगर कार्यालय पर एक बैनर में मौजूदा सांसद की फोटो नहीं लगाई गई थी। का बहिष्कार कर दिया था। यह मामला भी सपा के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने बताया कि सामान्य पार्टी में इसे सांसद-पूर्व सांसद की ओर से खुलेआम देखा जा रहा है। पार्टी के प्रचार में सांसद और विधायकों कहा है कि सपा के किसी भी होर्डिंग, फ्लैक्सी, बैनर,

बढ़ती गुटबाजी पर लगाम लगाने के लिए गाइडलाइन दूसरे नेताओं पर आरोप-प्रत्यारोप या अभद्र भाषा के ही में पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने एक निजी कार्यक्रम को आमंत्रित नहीं किया गया था। जबकि इस कार्यक्रम सपा सांसद ने मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. एसटी लगाए थे।जवाब में पूर्व सांसद ने भी मीडिया में टिप्पणी बात रखी थी और यह मामला सुर्खियों में रहा। इससे कार्यक्रम एसआईआर को लेकर आयोजित हुआ था। यहां सांसद के समर्थकों ने इसपर आपत्ति जताते हुए कार्यक्रम अंदर की गुटबाजी की हकीकत बयान कर रहा था। रूटीन के तहत ही उन्होंने गाइडलाइन जारी की है लेकिन एक-दूसरे पर हो हे आरोप-प्रत्यारोप के जुड़े मामले से का फोटो अनिवार्य- जिलाध्यक्ष ने गाइडलाइन जारी कर पोस्टर स्टीकर या किसी भी अन्य प्रचार सामाग्री पर पार्टी का कोई प्रचार होगा तो उसमें सांसद और विधायकों का फोटो अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। साथ ही कोई भी नेता या कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर सस्ती लोकप्रियता के लिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप, अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं करेगा। अगर कोई ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध अनुशासनहीनता की कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी को भी शिकायत है तो वह जिलाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलकर अपनी बात रख सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग को ब्लैकमेल कर गंदी हरकत, धर्म परिवर्तन की कोशिश, हिरासत में जुबैर

नाबालिग के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेल में एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले आरोपी नाबालिग की मां को बहलाकर अपने साथा ले गया था। मझोला पुलिस ने नाबालिग को ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण करने के आरोप में रविवार को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी नाबालिग की मां को लेकर चला गया था। आरोप है कि मुख्य आरोपी डरा धमका कर और लालच देकर पूरे परिवार को धर्मांतरण कराने की कोशिश में लगा है।इस मामले में पुलिस ने आरोपी जुबैर के साथ नाबालिग की मां सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। संभल जिले के रहने वाले व्यक्ति परिवार के साथ मझोला थानाक्षेत्र के ढक्का में रहता है। परिवार में उसकी पत्नी, दो बेटे और बेटी है।दर्ज प्राथमिकी में उसने बताया कि उसके पड़ोसी जुबैर और उसकी मां शबाना, बहन बेबी खान, मुस्कान और सोनी का आना जाना रहता है। जुबैर ने उसकी पत्नी को लालच देकर अपने जाल में फंसा लिया। जुबैर ने उसकी पत्नी के साथ मिलकर 16 साल की बेटी से तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। उसने वीडियो भी बना ली। जिसे वायरल करने की धमकी देकर वह नाबालिग का शारीरिक शोषण करता रहा। 22 दिसंबर 2025 को उसकी पत्नी जुबैर के साथ चली गई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर छह जनवरी पत्नी के साथ जुबैर को हिरासत में ले लिया। पति का कहना है कि उसकी बेटी पर पत्नी और जुबैर के परिवार वाले जबरन धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बना रहे हैं। धमकी दे रहे हैं कि धर्म परिवर्तन नहीं करने पर पिता और भाइयों को जान से मार देंगे। धर्म परिवर्तन कर शादी किया तो 20 लाख का मकान देंगे। इस मामले में पुलिस ने जुबैर के साथ उसकी मां, दो बहनों और वादी की पत्नी सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है।

चेहरा नोचा, बाईं बांह उखाड़ ले गए... जांघ से बाईं टांग भी अलग की; नौ साल की रिया की लाश देख कांप उठा कलेजा

यूपी में कुत्तों ने एक और मासूम की जान ले ली। संभल के गांव पौटा में खेत से लौट रही नौ साल की बालिका को श्मशान घाट के पास कुत्तों ने नोचकर मार डाला। नौ साल की रिया का शव जिसने भी देखा, कलेजा कांप उठा। कुत्तों ने मासूम का चेहरा बुरी तरह नोच डाला था।संभल के गांव पौटा निवासी बंटी की नौ वर्षीय बेटी रिया गौतम को रविवार शाम कुत्तों के झुंड ने नोच-नोचकर मार डाला। घटना उस समय हुई जब वह खेत से घर लौट रही थी। कुत्तों ने बालिका को इस कदर नोचा कि बायां हाथ और पैर शरीर से अलग कर दिया। बालिका की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिया के तहेरे भाई तरुण कुमार ने बताया कि शाम करीब पांच बजे रिया की मां ममता और दादी मुन्नी खेत पर पशुओं के लिए चारा लेने गईं थीं। उनके साथ रिया भी चली गई। मां और दादी पशुओं के लिए चारा काटने में लगी थीं।कुत्तों ने रिया को बुरी तरह से जख्मी किया था इस दौरान रिया घर आने के लिए अकेली ही चल पड़ी। रास्ते में श्मशान घाट के निकट आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उसे खींचकर गेहूं के खेत में ले गए। गांव वाले और परिजन जब तक दौड़कर पहुंचे, कुत्तों ने रिया को बुरी तरह से जख्मी कर दिया था।रिया की मौके पर हो गई थी मौत- रिया का बायां हाथ कंधे से अलग था, जो मौके पर ही नहीं मिला। बायां पैर भी जख्मी था। वह भी जांघ से लगभग अलग ही था। उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हजरतनगर गढ़ी पुलिस मौके पर आई और शव को कब्जे में लिया।एसडीएम बोले- कुत्तों की समस्या को लेकर कार्रवाई की जाएगी इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। संभल के एसडीएम रामानुज ने बताया कि कुत्तों के हमले में मासूम बालिका की मौत हुई है। नियमानुसार परिजनों को इसका मुआवजा दिलाएंगे। वहीं, कुत्तों की समस्या को लेकर भी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित विभाग को लगाकर इसका समाधान कराया जाएगा। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं सामने न आएं।चेहरा नोचा, बाईं बांह उखाड़ ले गए कुत्ते... जांघ से बाईं टांग भी अलग-संभल के गांव पौटा में कुत्तों के हमले में जान गंवाने वाली नौ साल की रिया का शव जिसने भी देखा, कलेजा कांप उठा। कुत्तों ने मासूम का चेहरा बुरी तरह नोच डाला था। बाएं हाथ और पैर को इस कदर काटा कि दोनों शरीर से ही अलग हो गए। ।मौके पर मां ममता मासूम का जगह-जगह पड़ा खून देखकर बार-बार बदहवास हो रही थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

थाना इकोटेक- 3 पुलिस और 25000 रुपये के इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू /गौतम बुद्ध नगर /ग्रेटर नोएडा थाना इकोटेक -3 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से यामाहा कट के पास चेकिंग की जा रही थी,तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया,जिसे पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया, परन्तु वह नही रुका और मोटरसाइकिल को तेज गति से चलाते भागने का प्रयास करने लगा, जिस पर पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया तो उपरोक्त व्यक्ति की मोटरसाइकिल फिसलकर नीचे गिर गयी, मोटर साइकिल सवार व्यक्ति द्वारा पुलिस टीम को नजदीक आता देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने लगा, पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्यवाही मे अभियुक्त पैर मे गोली लगने से घायल हो गया, घायल अभियुक्त की पहचान दानिश पुत्र नवाब निवासी मो0 रंगमहल, कस्बा शिकारपुर, थाना शिकारपुर, जनपद बुलंदशहर वर्तमान पता ग्राम एम्नाबाद, थाना बिसरख, गौतम बुद्ध नगर उम्र 31 वर्ष के रूप मे हुई है, अभियुक्त के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल व एक अवैध तमंचा .315 बोर मय 01 जिंदा व 01 खोखा कारतूस- .315 बोर बरामद हुआ है,घायल अभियुक्त थाना इकोटेक-3 पर पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे मे वांछित है, जिस पर 25000 का इनाम घोषित है, बरामद हुई चोरी की मोटर साइकिल स्पेलन्डर रजि0 न0- UP81CU 1657 के सम्बंध मे थाना बिसरख पर मु0अ0स0- 796/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है, पूछताछ मे अभियुक्त द्वारा बताया गया है कि मे चोरी की फिराक मे इधर उधर घूमकर बंद घरो/ फैक्ट्री की रेकी कर रहा था, मे पहले भी अपने साथियो के साथ कई चोरी कर चुका हूँ, और जेल भी जा चुका हूं, घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है, अभियुक्त के संबंध मे अन्य जानकारी की जा रही है, कुल आपराधिक मामले- 08 मुकदमे (चोरी, गैंगस्टर एक्ट आदि)

कार की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

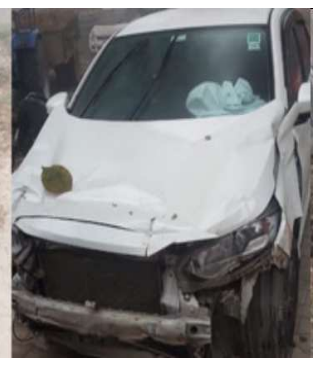

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। पीलीभीत-बरेली हाईवे पर रविवार रात सड़क हादसे में ऑटो चालक की जान चली गई। अनियंत्रित कार की टक्कर से ऑटो के परखच्चे उड़ गए। गंभीर रूप से घायल चालक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ऑटो चालक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया।

थाना जहानाबाद क्षेत्र के गांव खुंडारा निवासी दीपक कुमार (25) पुत्र मूलचंद पिछले काफी समय से बरेली में किराए पर रहकर ऑटो चलाता था। रविवार को वह अपना ऑटो लेकर बरेली से पीलीभीत होते हुए पैतृक गांव खुंडारा लौट रहा था। जैसे ही वह पीलीभीत-बरेली हाईवे पर जहानाबाद क्षेत्र में ललौरीखेड़ा और शिवपुरिया-जतीपुर के बीच नर्सरी के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दीपक उछलकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर और पेट में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायल दीपक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी प्रदीप कुमार विश्नोई का कहना है कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने सुचारू कराया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

12 किलो चाइनीज मांझा बरामद, आरोपी युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज के पास एक बोरी में चाइनीज मांझा लेकर जा रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने अपना फैसल बताया। वह शहर के काकर टोला मोहल्ले का रहने वाला है। उसने बताया कि करीब साढ़े 12 किलो मांझा उसके पास है, जो उसने ही तैयार किया था। बाजार में बिक्री करने की फिराक में था। उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

मकर संक्रांति के दिन शहर में बड़े पैमाने पर पतंगबाजी की जाती है। बाजार में पतंगों और धागे की बिक्री हो रही है। इसकी आड़ में कुछ दुकानदार चोरी-छिपे चाइनीज मांझे भी बेचते हैं। प्रतिबंधित मांझे की बिक्री रोकने के लिए पुलिस समय-समय पर अभियान भी चलाती है। इसी क्रम में एक सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी फैसल को गिरफ्तार किया है।

प्रदेश में सबसे ठंडा बरेली... न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा : शीतलहर से कांपे लोग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। बरेली में दो दिन धूप निकलने के बाद मौसम ने फिर पलटी मारी। सोमवार को सुबह कोहरा छाया रहा। सुबह 11 बजे के बाद धूप निकली तो लोगों को थोड़ी राहत मिली। हालांकि शीतलहर से चलने ठिठुरन और गलन बरकरार है। रविवार की रात प्रदेश में बरेली जिला सबसे ज्यादा ठंडा रहा। न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया।

बरेली में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री कम है। यह इस सीजन में सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने सोमवार को टॉप पांच जिलों का सूची जारी की, जिसमें बरेली पहले नंबर पर है। इसके बाद क्रमशः मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मेरठ और आगरा हैं। मौसम विभाग ने शीतलहर और कोहरे का अलर्ट जारी किया है।

सुबह छाया रहा कोहरा - तीन दिन से निकल रही चटक धूप का आनंद ले रहे लोगों को सोमवार की सुबह कोहरे का सामना करना पड़ा। रविवार सुबह सर्द हवा के साथ तेज धूप निकली। दिनभर लोगों ने गुनगुनी धूप का आनंद लिया और शीतलहर ने कंपकंपी का अहसास कराया। अधिकतम पारा 1.3 डिग्री लुढ़ककर सामान्य से एक डिग्री अधिक 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम को फिर सर्द हवा का सितम शुरू हुआ। शीतलहर चलने से रात के तापमान में गिरावट हुई। तापमान चार डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया।

आज नही कोहरा छाने का अनुमान आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम दिशा से चल रही हवा का प्रवेश शहर में होने पर ठिठुरन बढ़ी है। साथ ही, बादल भी मंडराने के आसार बन रहे हैं। इससे मंगलवार को सुबह-शाम कोहरा छाने का अनुमान है। इससे ठंड का ग्राफ बढ़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ से पहाड़ों की हवा के प्रवेश से लोगों को शीतलहर का सितम सहना पड़ सकता है।

जिला अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़, ओपीडी के अंदर तक लगी कतार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अस्पताल में सोमवार को मरीजों की भारी भीड़ इलाज को पहुंची। हालत यह रही कि पर्चा काउंटर पर कई बार धक्कामुक्की तक की नौबत आ गई। पर्चा बनवाने के लिए मरीजों की कतार ओपीडी के अंदर तक पहुंच गई। दोपहर 12 बजे तक 1700 से अधिक मरीजों का पंजीकरण हो चुका था। मरीज में महिलाओं की संख्या अधिक रही। बुखार, सर्दी, खांसी, जुकाम के साथ ही सीने में जलन, दर्द, सांस लेने में तकलीफ, पेट संबंधी बीमारियों की परेशानी वाले मरीज अधिक रहे। सोमवार को ओपीडी में दो चिकित्सक अवकाश पर होने की वजह से नहीं बैठे। इसकी वजह से भी मरीजो को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दो दरोगा निलंबित : वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान एसएसपी ने की कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली जनपद के भमोरा और तैनात क्रिटिकल दुर्घटना के करने में रविवार को कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने मीरगंज थाने के सीसी टीम प्रभारी दरोगा अनीश कुमार व भमोरा थाने की सीसी टीम के प्रभारी दरोगा उपदेश कुमार को निलंबित कर दिया।

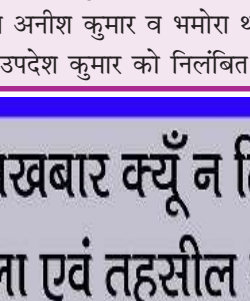

मीरगंज थाने में कॉरिडोर टीम ने कारणों की समीक्षा लापरवाही बरती। ऑनलाइन वीडियो

स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली । महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बी.एड. विभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर मेहरोत्रा एवं कार्यक्रम संयोजिका उपमा गुप्ता द्वारा माता सरस्वती, महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा तथा स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों को नव युवांश में जागृत करना था। मंच संचालन करते हुये कार्यक्रम संयोजिका ने सभागार में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुये कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।अपने स्वागत उद्बोधन में महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री ने सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं छात्र-छात्राओं का अभिवादन किया एवं उन्हें राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप सभी छात्र/छात्राऐं राष्ट्र निर्माण में निरन्तर अपना योगदान देते रहें जिससे हमारा समाज शिक्षित एवं समृद्ध हो सके। आज के इस शुभ अवसर पर महामंत्री ने जानकारी देते हुये बताया कि बी.बी.ए. के छात्र दीक्षान्त ने अर्न्तमहाविद्यालयी जूडो प्रतियोगिता के 75 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया तथा इस छात्र का चयन विश्वविद्यालय की टीम में हुआ है जो आगामी नार्थ जोन अन्तर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता में खेलने में जायेगा। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा नाटक प्रस्तुति द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन कुछ मुख्य घटनाओं को प्रस्तुत प्रतियोगिताओं के श्रेणी में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांशी टण्टन बी.एड द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान महक प्रभार बी.एड. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान साधना पाठक बी.एड. द्वितीय वर्ष विद्यार्थियों ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महक प्रभाकर बी.एड. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान छवि पाठक बी.एड. द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान युशरा बी.एड. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रस्तुति सुकान्त कुमार सरोज बी.एड. प्रथम वर्ष को पुरस्कृत किया गया। नाटक प्रस्तुतिकरण में सभी छात्र-छात्राओं उत्कृष्ट प्रस्तुति से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने इन सभी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया।महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, प्रवक्ताओं एवं समस्त छात्र-छात्राओं को धन्यवाद देते हुये कहा कि हम सभी राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन प्रत्येक वर्ष इसी हर्षोल्लास युवांश में ऊर्जावान के लिए मनाया जाता है। तत्पश्चात प्राचार्य ने स्वामी जी के जीवन परिचय से संबंधित प्रश्नोत्तरी को पूछा तथा छात्रों के सही उत्तरों पर उन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग की प्रवक्ता नमिता गुप्ता, डॉ. शिवानी शर्मा, डॉ. दीक्षा रस्तोगी तथा उपमा गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों ,अधिकारियों के साथ की जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली । राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग प्रभारी मंत्री जेपीएस. राठौर ने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद की igrs में प्रदेश में दूसरी रैंक है तथा सीएम. डैश बोर्ड में जनपद प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। इसी क्रम में मंत्री जी ने जन समस्याओं के प्रभावी एवं ससमय निस्तारण हेतु तहसील दिवस एवं थाना दिवस का और प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये गए।

मंत्री जी ने निर्देश दिए कि नाथ कॉरिडोर के कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराते हुए शीघ्र पूर्ण कराया जाये। बैठक में लोगों को रोजगार देने के उद्देश्य से नवाबगंज में इम्प्लांमेंट जोन बनाने पर चर्चा की गयी और इस कार्य को त्वरित गति से कराएं जाने के निर्देश दिये। बैठक में शहर का सौंदर्यीकरण कराने हेतु नगर आयुक्त व नगर निगम के अधिकारियों के साथ चर्चा की गयी और शहर में मुख्य चौराहो का सौन्दर्यकरण कराने हेतु निर्देश दिये गए। इस अवसर पर सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज/ बहोरन लाल, विधायक नवाबगंज एमपी. आर्य, बिथरी चैनपुर राघवेंद्र शर्मा, कैंट संजीव कुमार अग्रवाल, जिलाध्यक्ष भाजपा (आंवला)आदेश प्रताप सिंह, महानगर सोमपाल शर्मा, अधीर सक्सेना उपस्थित रहे। प्रशासन अधिकारियो में जिलाधिकारी अविनाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, उपाध्यक्ष बरेली विकास प्राधिकरण मनीकंडन ए. अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संतोष कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ दुबे, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, अपर नगर आयुक्त, नगर मजिस्ट्रेट, अपर नगर मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारी गण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे

राष्ट्रीय युवा दिवस : बरेली में मिनी मैराथन में दौड़े सैकड़ों लोग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर बरेली छावनी परिषद (कैंट बोर्ड) की ओर से सोमवार को मिनी मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। कैंट स्थित मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, लेफ्टिनेंट जनरल जीओसी डीजी मिश्रा और छावनी परिषद की सीईओ डॉ. तनु जैन ने हरी झंडी दिखाकर मिनी मैराथन की शुरुआत की।तीन आयु वर्गों के लोग हुए शामिल मिनी मैराथन के तहत पांच किलोमीटर लंबी दौड़ में 13 से 18, 19 से 40 और 41 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। कड़ाके की ठंड में सभी लोगों में जबर्दस्त उत्साह देखा गया। इसकी थीम विकसित भारत-2047 और पर्यावरण संरक्षण को लेकर रही। युवाओं व आम नागरिकों ने प्रतिभाग कर विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया।

पर्यावरण सरंक्षण का दिया संदेश

कैंट बोर्ड की सीईओ डॉ. तनु जैन ने बताया कि मिनी मैराथन का मुख्य उद्देश्य %विकसित भारत-2047% के संकल्प को मजबूत करना और पर्यावरण सरंक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। स्टेडियम से शुरू होकर यह दौड़ युगवीणा चौक, पहलवान बाबा मंदिर, बिशप चौक, कारगिल चौक और शहीद चौक से होते हुए वापस स्टेडियम में संपन्न हुई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

सूरजपुर आबकारी टीम की बड़ी कार्रवाई, 8352 नशीले कैप्सूल के साथ आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर- आबकारी आयुक्त श्रीमती आर. संगीता के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग सूरजपुर द्वारा नशीले पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है।

वृत सूरजपुर प्रभारी एवं आबकारी उप निरीक्षक श्री प्रदीप वर्मा के नेतृत्व में आबकारी टीम गश्त पर थी।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि पंच मंदिर पारा, कब्रिस्तान मोहल्ला, थाना सूरजपुर क्षेत्र में मो. रोशन पिता अमीनुद्दीन (उम्र 23 वर्ष) अवैध रूप से भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल रखकर विक्रय कर रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आबकारी टीम ने दबिश देकर आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 8352 नग नशीले कैप्सूल SPASMO-PROXYVON (ट्रामाडोल) बरामद किए गए, जिन्हें विधिवत जप्त कर सीलबंद कर आबकारी विभाग के कब्जे में लिया गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया है।

इस पूरी कार्रवाई एवं विवेचना का कार्य आबकारी उप निरीक्षक श्री प्रदीप वर्मा द्वारा किया गया। कार्रवाई में आबकारी मुख्य आरक्षक मेवालाल सोनवानी, कृष्णा प्रसाद कुशवाहा, आरक्षक कमलेश्वर राजवाड़े, महिला आरक्षक जमुना एक्का तथा वाहन चालक प्रमोद साहू एवं योगेंद्र पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला पिवरी के विद्यार्थियों ने किया नर्सरी पिवरी में शैक्षणिक भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर- शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला पिवरी के विद्यार्थियों के लिए शिक्षकों एवं स्वयं सहायता समूह के संयुक्त तत्वावधान में नर्सरी पिवरी में भोज सह शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने न केवल स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया, बल्कि नर्सरी में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पौधों का अवलोकन कर प्रकृति के प्रति जागरूकता भी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षक अम्बिका प्रसाद साहू द्वारा बच्चों को नर्सरी में मौजूद पौधों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पौधे जीवित प्राणी हैं और प्रकृति का अभिन्न अंग हैं। पौधे सूर्य के प्रकाश, जल एवं वायु की सहायता से अपना भोजन स्वयं बनाते हैं तथा हमें ऑक्सीजन, भोजन, औषधीय सामग्री, लकड़ी और छाया प्रदान करते हैं। उन्होंने पौधों के संरक्षण को सभी का कर्तव्य बताया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत पिवरी की सरपंच विमला सिंह द्वारा विद्यार्थियों को टॉफियाँ वितरित की गईं, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और आनंद स्पष्ट झलक रहा था। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए नर्सरी पिवरी के प्रबंधक का विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने नर्सरी परिसर में वनभोज आयोजन की अनुमति प्रदान कर बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का अवसर दिया। इस भोज सह शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में संस्था के प्रधान पाठक गुलाबचंद यादव, शिक्षक अनीता मिंज, मनोज उपाध्याय, अम्बिका प्रसाद साहू, कार्तिक यादव, राहुल दास निषाद, संस्था के समस्त स्टाफ, ग्राम पंचायत पिवरी की सरपंच विमला सिंह, पंचायत प्रतिनिधि वीर सिंह, स्वयं सहायता समूह के संचालक बीरबल राजवाड़े सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध संग्रहित 120 बोरी चावल पर की गई जप्ती की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर नगर के नया बाजार गली स्थित एक गोदाम से बड़ी मात्रा में बिना दस्तावेज चावल बरामद किया गया है। राम अनुग्रह उपाध्याय के गोदाम पर की गई आकस्मिक जांच में अनियमितताएं सामने आई हैं। सूचना मिलने पर सूरजपुर एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल के निर्देश पर राजस्व अमले द्वारा सोमवार को निरीक्षण के दौरान गोदाम परिसर में खड़े ट्रक में 80 बोरी चावल पाया गया व इसके अलावा गोदाम के अंदर से भी 40 बोरी चावल बरामद हुआ, जिसके कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। जांच टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक में लोड 80 बोरी चावल को संबंधित थाने के सुपुर्द किया वहीं गोदाम में मिले 40 बोरे चावल को जब्त कर आवश्यक कार्यवाही उपरांत संबंधित दुकानदार को सुपुर्द किया। प्रकरण को लेकर आगे नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्यवाही मे तहसीलदार श्री सूर्यकांत साय व इजराइल अंसारी व अन्य संबंधित उपस्थिति थे।

दहेज हत्या का दर्ज हुआ था केस, वह महिला जीवित मिली

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती। न्यायालय के आदेश पर जिस महिला की हत्या के आरोप में ससुरालियों के विरुद्ध दहेज हत्या का केस दर्ज हुआ था। वह महिला पांच महीने बाद जीवित मिली है। जिसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। मल्हीपुर क्षेत्र के लक्ष्मनपुर गंगापुर निवासी मायावती पत्नी गोली ने अपनी पुत्री दीपा की शादी ओरीपुरवा निवासी हंसराज पुत्र परमेश्वर के साथ की थी। अगस्त 2025 में दीपा ससुराल से लापता हो गई। इस पर उसकी मां मायावती ने मल्हीपुर थाने में तहरीर देकर ससुरालियों के विरुद्ध दहेजयहत्या का आरोप लगाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही थी। इस दौरान मामला दर्ज होने में देरी देख मायावती ने न्यायालय की शरण ली और न्यायालय ने पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश पर एक अगस्त 2025 को मल्हीपुर थाने में पति हंसराज, ससुर परमेश्वर व सास समेत छह लोगों के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मामले की जांच सीओ सतीश शर्मा को मिली। सीओ की विवेचना के दौरान महिला दीपा का मोबाइल नम्बर चालू पाया गया। जिसके बाद सर्विलांस के जरिए पुलिस ने महिला को ट्रैक किया तो महिला जीवितमिली और उसे मुंबई के पूणे में होना पाया गया।

सफलता की कहानी – परशुरामपुर जलाशय से चार गांवों के किसानों को मिल रहा सिंचाई का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर जिले के परशुरामपुर जलाशय योजना से स्थानीय किसानों को खेती में भरपूर लाभ मिल रहा है। वर्ष 2006 में निर्मित इस जलाशय से चार गांवों के सैकड़ों किसान सिंचाई सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

अक्षांश 23.06'40'' तथा देशांतर 82.48'15'' पर स्थित इस बांध की कुल लंबाई 12.60 मीटर और अधिकतम ऊंचाई 20.70 मीटर है। बांध की ऊपरी चौड़ाई 6 मीटर है, जबकि इसकी कुल जल भराव क्षमता 9.452 मिलियन क्यूबिक मीटर है। बांध की रूपांकित सिंचाई क्षमता खरीफ में 809 हेक्टेयर और रबी में 441 हेक्टेयर यानी कुल 1250 हेक्टेयर है। मुख्य नहर की लंबाई 5 किलोमीटर है, जबकि 5 शाखा नहरों की कुल लंबाई 4.9 किलोमीटर है। किसानों को मिल रहा व्यापक लाभ:- परशुरामपुर, जगन्नाथपुर, सुरता तथा अक्षयपुर गांवों के किसान इस जलाशय से सिंचाई का लाभ ले रहे हैं। वर्तमान में बांध में 5.75 मिलियन क्यूबिक मीटर जल उपलब्ध है।

वर्ष 2025 में खरीफ की वास्तविक सिंचाई 630 हेक्टेयर में की गई, जबकि रबी फसल का कुल लक्ष्य 170 हेक्टेयर रखा गया था। रबी सीजन में कुल 131 किसानों ने खेती की है, जिसमें ग्राम परशुरामपुर के 50, सुरता के 35, अक्षयपुर के 30 तथा जगन्नाथपुर के 16 किसान शामिल हैं।

बीज वितरण से मिली मदद:- कृषि विभाग द्वारा बीज ग्राम योजना के तहत इस वर्ष किसानों को 29 क्विंटल गेहूं तथा 1 क्विंटल सरसों के बीज वितरित किए गए हैं।

वर्तमान में ग्राम परशुरामपुर में 35 हेक्टेयर में विभिन्न फसलें उगाई जा रही हैं, जिसमें गेहूं 20 हेक्टेयर, सरसों 2 हेक्टेयर, चना 1 हेक्टेयर तथा मटर की खेती शामिल है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि जलाशय योजना से उन्हें समय पर सिंचाई की सुविधा मिल रही है, जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। यह योजना क्षेत्र के कृषि विकास में मील का पत्थर साबित हो रही है।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर लीक होने से लगी आग

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद। जनपद के थाना मऊदरवाज़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अर्रा पहाड़पुर में सोमवार सुबह खाना बनाते समय गैस सिलेंडर लीक होने से एक घर में अचानक आग लग गई। इस घटना में घर के भीतर रखा काफी घरेलू सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, पुलिस और स्थानीय लोगों की सक्रियता के चलते एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

खाना बनाते समय हुआ हादसा- जानकारी के अनुसार, यह घटना अर्रा पहाड़पुर निवासी रवि उर्फ अमित के घर पर हुई। पीड़ित रवि ने बताया कि सुबह जब घर में खाना बनाया जा रहा था, उसी दौरान गैस सिलेंडर का रेगुलेटर खुला रह गया। गैस लीक होने की वजह से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना के वक्त रवि की दो मासूम बेटियां भी घर के अंदर मौजूद थीं, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस और ग्रामीणों का संयुक्त प्रयास- आग की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचित किया। सूचना प्राप्त होते ही बीवीगंज चौकी इंचार्ज नितिन कुमार और विनीत चौधरी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। चौकी इंचार्ज नितिन कुमार ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए जलते हुए गैस सिलेंडर को बुझाया। इसके बाद ग्रामीणों की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हालांकि बाद में दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग बुझाई जा चुकी थी।

नुकसान का आकलन जारी- आग लगने के कारण पीड़ित के घर में रखी रजाई, गद्दे, बिस्तर और टीवी सहित अन्य कीमती सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया। फिलहाल प्रशासन और पुलिस द्वारा आग से हुए आर्थिक नुकसान का सटीक आकलन किया जा रहा है।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को मारी जोरदार टक्कर,मौके पर ही मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद जनपद के बढ़पुर विकास खंड क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पांचाल घाट स्थित गंगापुल के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय पशु चिकित्सक आदेश कुशवाहा के रूप में हुई है।

तेज रफ्तार डंपर ने ली जान- जानकारी के मुताबिक, आदेश कुशवाहा शाहजहांपुर जिले के मिर्जापुर थाना क्षेत्र के नगला पिपरिया गांव के रहने वाले थे। सोमवार को वे किसी निजी कार्य से अपनी बाइक पर सवार होकर फर्रुखाबाद की ओर आ रहे थे। जैसे ही वह गंगापुल के समीप पहुंचे, एक अनियंत्रित डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आदेश गंभीर रूप से लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े।

अस्पताल में घोषित किया गया मृत- दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी और उन्हें तत्काल जिला अस्पताल (लोहिया) की इमरजेंसी में भर्ती कराया। अस्पताल पहुँचते ही डॉक्टरों ने उनका परीक्षण किया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और पुलिस को पोस्टमार्टम के लिए सूचित कर दिया गया है।

अंतिम संस्कार में आए रिश्तेदारों को मिली खबर- मृतक के रिश्तेदार सर्वेश कुमार ने बताया कि आदेश पशुओं के डॉक्टर थे। इत्तेफाक से, सर्वेश खुद गांव के एक अन्य व्यक्ति के अंतिम संस्कार के लिए गंगा घाट पर ही मौजूद थे, तभी उन्हें आदेश के एक्सीडेंट की सूचना मिली। अस्पताल पहुँचने पर उन्हें आदेश की मृत्यु की खबर मिली, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिसिया कार्रवाई- पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। डंपर चालक की तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम उसरगांव में जन चौपाल, नोडल अधिकारी ने योजनाओं का किया सत्यापन व लाभार्थियों से लिया फीडबैक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जन्म से बुढ़ापे तक सुरक्षा की गारंटी, उसरगांव की जन चौपाल में गूंजी सरकार की योजनाएं सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नियुक्त जनपद के नोडल अधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के साथ विकासखंड कदौरा क्षेत्र के ग्राम उसरगांव में जन चौपाल का आयोजन कर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र लाभार्थियों को पढ़कर सुनाई। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थियों से सीधा संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का फीडबैक लिया तथा स्थलीय सत्यापन भी किया। नोडल अधिकारी ने जन चौपाल में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया और अधिकारियों को योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने बच्चों को अन्नप्राशन कराया तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर उन्हें पौष्टिक आहार वितरित किया, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश गया।

जन चौपाल को संबोधित करते हुए श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार जन्म से लेकर बुजुर्ग अवस्था तक नागरिकों के समग्र कल्याण हेतु अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटी के जन्म से लेकर स्नातक स्तर तक शिक्षा एवं देखभाल का खर्च सरकार वहन कर रही है। वहीं जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पोषण एवं सुरक्षित प्रसव के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में कन्याओं के विवाह को लेकर पहले कठिनाइयां होती थीं, लेकिन अब सरकार सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से 51 हजार रुपये की सहायता देकर विधि-विधान से विवाह संपन्न करा रही है। इसी प्रकार गरीब एवं असहाय व्यक्तियों के उपचार हेतु आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, जिसके माध्यम से 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार किसी भी सूचीबद्ध अस्पताल में कराया जा सकता है। नोडल अधिकारी ने कहा कि सरकार जनता के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है और आमजन की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही नीतियां बनाई जाती हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रता के अनुसार लाभ अवश्य प्राप्त करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार, जिला विकास अधिकारी के.के. सिंह, उप जिलाधिकारी कालपी मनोज सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, सिंह जादौन, ग्राम प्रधान सहित ग्रामवासी, लाभार्थी, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक – मंत्री श्रीमती राजवाड़े

युवा ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति – विधायक श्री मरावी

♦ जिला स्तरीय युवा दिवस समारोह में स्वामी विवेकानंद के विचारों से युवाओं को किया गया प्रेरित

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर – स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम, सूरजपुर में आज जिला स्तरीय युवा दिवस समारोह का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य तथा प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी अध्यक्षता में किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद की पोशाक में शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल रजवाड़े, जनपद अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती स्वाती सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती कुसुमलता रजवाड़े, पूर्व विधायक श्रीमती रजनी रविशंकर त्रिपाठी, रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष श्री बाबूलाल अग्रवाल, भीमसेन अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण , जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत एवं नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई गई तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान भाषण प्रतियोगिता, काव्यपाठ, रंगोली सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जीवन में अनुशासन, धैर्य और आत्मबल अपनाने की सीख दी है। उन्होंने कहा कि युवा अवस्था में ही अनुशासन का अभ्यास करना आवश्यक है, क्योंकि यही आगे के जीवन की दिशा तय करता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जीवनी का अध्ययन करने से यह समझ विकसित होती है कि जीवन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी भारतीय विरासत, संस्कार और संयुक्त परिवार की परंपरा को भूलती जा रही है। जब युवा अपने दादा-दादी के अनुभवों से सीखते हैं, तभी उन्हें जीवन का वास्तविक सार समझ में आता है। स्वामी विवेकानंद ने भाग्य पर नहीं, बल्कि कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी और कहा कि कर्म से ही भाग्य बदला जा सकता है। उन्होंने युवाओं से मजबूत शरीर, निडर मन और ऊँचे चरित्र का निर्माण करने का आह्वान किया।

मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। उन्होंने युवाओं से यह याद रखने को कहा कि देश उनके लिए क्या कर सकता है, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे देश के लिए क्या कर सकते हैं। देश की नींव को मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

उन्होंने पंच परिवर्तन की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन (परिवार के साथ समय बिताना), स्वदेशी अपनाने तथा नागरिक कर्तव्यों के पालन की अपील की और कहा कि युवाओं को इन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण एवं उसके संरक्षण का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। शिक्षित और जागरूक युवा ही देश को सही दिशा दे सकते हैं। उन्होंने नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति का, बल्कि देश के भविष्य को भी नुकसान पहुँचाता है।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत युवाओं को सदैव प्रेरित करता रहेगा। स्वामी विवेकानंद का जीवन यह सिखाता है कि आत्मबल, चरित्र और सेवा-भाव से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। मंत्री ने आशा व्यक्त की कि स्वामी विवेकानंद के दार्शनिक और वैचारिक मूल्य आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनते रहेंगे और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की युवा शक्ति को राष्ट्र सेवा एवं मानव कल्याण के लिए प्रेरित करते रहेंगे। प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद देश के महान संत और विचारक थे। उनके बताए मार्ग पर चलकर देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को देश निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। शिक्षा के माध्यम से ही समाज जागरूक बनता है और अनुशासन के साथ निरंतर आगे बढ़ा जा सकता है। इस कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं मुख्यमंत्री डीएवी स्कूल तिलसिवा की छात्राओं द्वारा गीत प्रस्तुति दी गई। कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, कल्याणपुर के कलाकारों ने लोकगीत की प्रस्तुति दी। वहीं पीएम श्री सेजेस विद्यालय के विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुति दी। इस दौरान विधायक श्री मरावी द्वारा सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विद्यार्थियों को विवेकानंद का राष्ट्र को आह्वान पुस्तिका भेंट की और विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

डिप्टी CM ब्रजेश पाठक की बड़ी कार्रवाई, 17 लापरवाह चिकित्साधिकारी बर्खास्त...

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए 17 चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त किया है।

ड्यूटी से गायब रहने, मरीजों से अभद्रता और आदेशों की अवहेलना पर कार्रवाई की गई है।यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों में लापरवाही बरतने वाले चिकित्साधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। 17 चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। ये डॉक्टर लंबे समय से ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित पाए गए थे।मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले चार चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। वहीं, स्थानांतरण के बाद नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण न करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश जारी किए गए हैं।बीकेटी ट्रामा सेंटर के चार चिकित्साधिकारियों से कार्य में लापरवाही के आरोप में स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इसके अलावा, तीन चिकित्साधिकारियों को लापरवाही पर चेतावनी जारी की गई है। उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और कार्य में लापरवाही के मामलों में पांच चिकित्साधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने के साथ परनिंदा दंड दिया गया है। वहीं, क्रय नीति के विपरीत दवा खरीदने के दोषी पाए गए दो चिकित्साधिकारियों की पेंशन में 10 प्रतिशत कटौती के निर्देश दिए गए हैं।

बीम काटकर विद्युतिकरण की लापरवाही गंभीर, नोडल अधिकारी ने कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम को लगाई फटकार

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / राजकीय निर्माण निगम को ड्राइंग-डिजाइन के अनुसार कार्य कर तय समय में निर्माण पूर्ण करने के निर्देश। सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नियुक्त जनपद के नोडल अधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में 20.82 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं मानकों का बारीकी से परीक्षण किया।

निरीक्षण के समय नोडल अधिकारी ने निर्माण कार्यों में फिनिशिंग संतोषजनक न पाए जाने तथा बीम में विद्युत फिटिंग हेतु कटर से कट लगाए जाने पर कार्यदायी संस्था को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बीम जैसे संरचनात्मक भागों में किसी भी प्रकार की कटाई नियमों के विरुद्ध है और इससे भवन की मजबूती प्रभावित हो सकती है। इस गंभीर लापरवाही पर उन्होंने कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को कड़ी चेतावनी दी।

नोडल अधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त निर्माण कार्य स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन के अनुरूप ही कराए जाएं तथा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि निर्माण कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं होगी।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नर्सिंग कॉलेज का निर्माण निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि मेडिकल कॉलेज को शीघ्र ही आधुनिक सुविधाओं से युक्त नर्सिंग शिक्षा संस्थान की सौगात मिल सके। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा से जुड़े निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके उपरांत नोडल अधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने जनपद में निर्माणाधीन तहसील भवन का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्था यूपी पीसीएल को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को हर हाल में फरवरी माह, 2026 तक पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि तहसील भवन के समयबद्ध निर्माण से आम जनमानस को प्रशासनिक सेवाओं का लाभ सुचारु रूप से प्राप्त हो सकेगा, इसलिए किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार, जिला विकास अधिकारी के0के0 सिंह, उप जिलाधिकारी कालपी मनोज सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह तथा संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

विवेकानंद यूथ अवॉर्ड: सीएम योगी बोले-यूपी में न कर्फ्यू न दंगा...सब चंगा; नशे के कारोबार के खिलाफ आगे आएं युवा

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राजधानी में %राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका% विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सीएम योगी ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब यूपी में न कर्फ्यू न दंगा...सब चंगा है।राजधानी लखनऊ में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर युवाओं को समर्पित कार्यक्रम %युवा प्रतिभा सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका% का आयोजन किया गया। यह आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने मौजूद लोगों को संबोधित किया।इस मौके पर युवा कल्याण एवं खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि युवाओं का उत्साहवर्धन के लिए सीएम आए हैं। आज का दिन हमारे लिए प्रेरणा और संकल्प का दिन है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि उठो, जागो, तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। यह हमें एकाग्रता, अनुशासन और प्रेरणा देता है। सरकार युवाओं के खेल, कौशल विकास और सशक्त बनाने का काम कर रही है। युवा स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें। संकल्प लेकर जाए, इसी पथ पर आगे बढ़ेंगे।देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जुट जाएं युवा- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विवेकानंद ने दुनिया को भारत की वास्तविक ताकत का एहसास कराया था। युवा, स्वामी जी से सीख लेकर पीएम मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए समझें, आगे बढ़ें। जब देश गुलामी की जंजीर जुट जाएं। स्वामी जी को पढ़े, थे। उनके रहने, भोजन आदि की भी व्यवस्था में जकड़ा था, उस समय भी शिकागो के सम्मेलन में गए तिरंगे को कभी झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा नहीं थी। आमंत्रण भी नहीं था। किंतु उन्होंने मां भारती के महान बनाता है। युवा उनके जीवन चरित्र को पढ़े। मां बीमार और दवा के लिए पैसे नहीं कि स्वामी जी ने कहा था, हमारे यहां टेलर नहीं चरित्र था। युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। युवा, मार्कशीट के पीछे भाग रहे हैं। कम नंबर आने पर छलांग लगा दे रहे हैं। अपनी प्रतिभा को पहचानो। देश, प्रदेश में हर ओर विकास कार्य। आज युवा अवसर ढूंढने वाला नहीं है, बल्कि अपनी अलग पहचान बना रहा है। युवा शसक्त तभी देश, प्रदेश सशक्त होगा। बहुउद्देश्यीय हाल का लोकार्पण- इस मौके पर 21 करोड़ से बने 5 बहुउद्देश्यीय हाल का लोकार्पण किया गया। साथ ही तीन ग्रामीण स्टेडियम का शिलान्यास भी किया गया। इस मौके सीएम योगी ने कहा कि नशे का कारोबार क्रैश करने और पर्यावरण का संरक्षण के लिए युवा आगे आएं। आज महाभारत के किरदार वसूली नहीं कर सकते हैं, यदि करेंगे तो जेल जाएंगे। यूपी में न कर्फ्यू न दंगा, सब चंगा है। प्रदेश में पर्यटन के साथ रोजगार के अवसर बढ़े हैं। नशे का कारोबार क्रैश करने को युवा आएं आगे- सीएम- सीएम ने युवाओं को गांव, ब्लाक में नशे के खिलाफ अभियान चलाने का सुझाव दिया। साथ ही कहा कि वे नशे के कारोबार को क्रैश करने के लिए काम करें। हमें इसके बारे में गोपनीय सूचना दें। उनकी प्रापर्टी जब्त की जाएगी। क्योंकि, नशा नाश का कारण है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से जल संरक्षण के लिए भी आगे आने और काम करने का आह्वान किया। कहा कि जिला, गांव में चेक डैम, अमृत सरोवर आदि हैं। इससे जुड़ें और जल, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ें। स्थानीय लोगों को भी जोड़ें। पुरानी नदियों पर कब्जे हो गए हैं। इस पर ध्यान दें। हाल ही में शुरू विकसित भारत जी राम जी योजना से जुड़ें और इसका प्रयोग करें। बरसात में पौधे लगाएं, परिवार में 10 लोग हैं तो 10 पौधे लगाएं। वन महोत्सव में 35 करोड़ वृक्षरोपण का लक्ष्य- सीएम ने आगे कहा कि अगले बार के यूथ अवॉर्ड में जल व पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद गतिविधियों को भी शामिल किया जाए। जुलाई में वन महोत्सव में 35 करोड़ वृक्षरोपण का लक्ष्य हमने लिया है। युवा व महिला दल इस अभियान से जुड़ें। 9 लाख युवाओं को दी सरकारी नौकरी- सीएम- उन्होंने कहा कि 9 लाख युवाओं को हमने सरकारी नौकरी दी है। अब कोई सिफारिश नहीं चलती है। युवाओं के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता है।

चोरों ने नकदी व जेवरात की किया चोरी,पुलिस जांच में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती। इकौना – थाना –क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अंधरपुरवा के मजरा बीडीसी पुरवा निवासी ननका देवी पत्नी पुत्ते वर्मा फसल की रखवाली करने खेत गई हुई थी घर में उनकी बहुए अपने कमरे में सो रही थी। देर रात में घर में घुसे चोरो ने ननका के कमरे के दरवाजे की कुंडी काट दिया तथा अंदर घुस गए जहां रखा पांच हजार रुपये नकद व लाखों रुपये के जेवर व दो बक्सा चुरा ले गए। आधी रात के बाद घर लौटी ननका देवी ने कमरे का दरवाजा खुला पाया अंदर गई तो नकदी, जेवर व दो बक्से गायब थे सुबह दोनों बक्से गांव के बाहर खेत में टूटे पड़े मिले। तीन बहुओं के सोने का मटर माला, दो जोड़ी सोने का बाली, दो जोड़ा पायजेब, दो जंजीर, सोने का मटरमाला समेत करीब पांच लाख रुपये का सामान चोरी हुआ है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

Even miles of distance will seem less, just remember these 5 things; a long-distance relationship will never break.

They say that distance deepens love, but in long-distance relationships, this very distance can sometimes create a rift in the heart. When you have a phone screen instead of a hug, it becomes difficult to maintain the some golden rules of relationships Long-distance relationships are at rules before the relationship relationship strong. Long-distance are truly difficult. In today's world, another in search of better careers, saying we'll see each other, they be between cities or countries, but such a situation, even the smallest relationship. If you're in a other, but your partner is far away, even miles of distance seem less. the oxygen of long-distance limited to "Did you eat?" or "How become boring. In such a situation, your dreams with your partner. poison in a long-distance replies, excessive inquiries, and a relationship. If you've chosen

relationship. Therefore, today we will share that will keep your relationship strong. risk of breaking up—adopt these golden cracks. These small tricks will help keep the relationships sound easy, but in reality, they when people move from one place to love is put to the ultimate test. Instead of have to say we'll video call. Distance may if managed, this distance deepens love. In mistake can create a rift in even the strongest relationship where you're truly with each remember these five things, which will make Encourage communication: Conversation is relationships. But if daily conversations are was the office?", the relationship can share your fears, childhood memories, or Trust each other: Doubt is the strongest relationship. Questions about delayed suspicion of new friendships can all damage someone, trust them, as trust is hard to build. If you want to keep your relationship strong even while living apart, trust each other. Surprise each other - To maintain love in a long-distance relationship, give each other surprise gifts. Small gifts sent unexpectedly, a voice note, a handwritten letter, an old photo, or a favorite chocolate, all touch everyone's heart. Plan for the future - If you're in a long-distance relationship, plan for the future together to strengthen your relationship. This keeps the hope alive that this distance isn't forever. Also, dream about meeting again and being together. Dreams are the threads that connect today's distance to tomorrow's closeness. Plan an online date - While you can't go on face-to-face dates in a long-distance relationship, you can certainly date online. You can eat dinner together over video calls. You can also watch a movie together online.

If you change your conversation style, your image will automatically improve; delete these 10 things from your dictionary today.

Did you know that your conversation style shapes your image in front of people? In fact, we often make mistakes unknowingly, which negatively impact our personality and relationships. If you want people to like you and pay attention 10 habits today. Do you ever feel like people your messages? We often think we're doing style unknowingly becomes the enemy of our built on good dressing sense, but also on well- everyone to enjoy your company, then delete of Life' forever today (Communication Others' Problems - When someone shares their underestimate them. Trivializing others' like you don't care. Be a good listener and Friends - Stop sending messages that trap your uncomfortable responding. Keep your friends feel happy talking to you, not pressured. Conflict - Often, we don't understand the real start focusing on the wrong things. To resolve understand the real problem, not just shoot different opinions - Everyone's thinking is

to what you have to say, break these are avoiding talking to you or delaying everything right, but our conversation image. A good personality isn't just structured conversation. If you want these 10 things from your 'Dictionary Mistakes To Avoid). Trivializing problems with you, don't problems makes the other person feel respect their feelings. Trapping friends or make them feel conversations simple and clear so your Finding the Wrong Reason for a reason for a fight or argument and any conflict, it's important to first arrows in the air. Not accepting different. If someone disagrees with you, stop fighting or getting upset. Accepting differences with ease is a hallmark of a balanced person. Giving false hopes - Breadcrumbing in relationships, or keeping someone engaged with little attention, is a very bad habit. If you're not interested in a relationship or a project, be clear. Don't give someone false hopes. Making video calls in public - Talking loudly on video calls in public not only annoys others but also creates a non-serious image. Therefore, always keep your conversations private. Giving harsh words as "honesty" - Many people speak harshly and say, "I'm just being honest." Remember, there's a difference between honesty and rudeness. Express your opinion, but choose your words in a way that doesn't hurt others. Over-reliance on AI - Nowadays, people are increasingly using artificial intelligence (AI) in their conversations and work, but when it comes to human relationships and emotions, use your words and mind, not a machine. Not responding after seeing a message - Reading someone's message and then deliberately not responding is disrespectful. If you're busy, respond later, but break the habit of ignoring. Trying to fill every silence - Silence during a conversation isn't always bad. Don't try to fill every silence with words. Sometimes, even silence can make a conversation deeper and more meaningful. Otherwise, unnecessary talk can only damage relationships. By improving these small habits, you can not only become a better communicator but also create a special place for yourself in people's hearts.

A Himachali shawl is made with months of "sadhana" (spiritual practice), and its price ranges from 800 to 2 lakh rupees.

Shawls provide warmth in the chill of winter, and when combined with traditional handloom skills, they create records. Women associated with medium and small-scale industries in Himachal Pradesh created a Guinness MSME Fest in Shimla. What makes Women weave Himachali shawls on and natural dyes—global recognition with mountains and cold winds chill the soul, confines people to their homes in towns unstoppable. Women craft shawls on has earned the Himachali shawl its from the cold, but have become an example wool special? - The wool obtained from The cool climate and natural pastures

Book of World Records by displaying 4,023 handloom shawls at the recent Himachali shawls special, and how are they made, reports Hansraj Saini... handlooms during winter—unique Himachali wool, traditional designs, a GI tag, thousands of women self-reliant. When snow falls on the Himachali women weave warmth on handlooms. Even when snowfall like Kullu, Kinnaur, Mandi, and Lahaul-Spiti, skilled hands remain handlooms in their homes. Their hard work, weaving pure wool threads, worldwide recognition. These shawls are not just a means of protection of mountain culture, tradition, and women's self-reliance. Why is Himachali the sheep of Himachal Pradesh is considered the softest and warmest wool. further enhance the wool's quality. The wool from regions like Kullu, Kinnaur, Mandi, and Lahaul-Spiti has a natural sheen and strength, making the shawls lightweight yet extremely warm and durable for years. The uniqueness of the design - The beauty of Himachali shawls lies in their traditional designs and colorful stripes. Kullu is characterized by vibrant colors, geometric and floral designs, while Kinnaur's intricate borders and Lahaul-Spiti's simplicity make them unique. These designs, passed down through generations, are still alive in the hands of artisans. The fragrance of natural dyes: The dyes used in these shawls are also a gift of nature. The beautiful colors, derived from walnut, saffron, cedar bark, and various herbs, are not only soothing to the eyes but also environmentally friendly. This is why the demand for Himachali shawls is increasing in the foreign market. One shawl, months of hard work: A Himachali shawl takes seven to eight months to make. From shearing the wool to spinning the yarn, dyeing, and weaving on the handloom, every step reflects the artisans' hard work and patience. This is why these shawls range in price from 800 rupees to 2 lakh rupees in the market. Transforming lives of women: Thousands of women associated with self-help groups in Himachal Pradesh earn their livelihoods through the handloom industry. After joining MSME, they received training, marketing, and a national and international platform. The GI tag awarded to Kullu Shawls in 2004 proved to be a lifeline for this industry, giving authentic Himachali shawls global recognition. Growing reach within the country and abroad: Today, the demand for Himachali shawls has reached Europe, America, and the Gulf countries. Their presence at international exhibitions and fashion events is placing Himachal on the global fashion map. Anshul Malhotra, an entrepreneur from Mandi, praised by Prime Minister Narendra Modi and awarded the Nari Shakti Award by the President, teaches handicrafts to rural women as a trainer for the Ministry of Textiles. She says that it takes up to a year to craft a shawl with intricate craftsmanship. Due to the laborious work required by the artisans, such shawls command a high price. Shawls crafted from Himachali wool today not only refresh the body but also provide the warmth of self-reliance, respect, and inspiration.

A chance to witness history up close, release date confirmed

Freedom at Midnight, a historical drama series, will soon release its second installment on SonyLIV. The series depicts India's freedom struggle, Partition, political power struggles, and the clashing ideologies of leaders like Gandhi, Nehru, Patel, and Jinnah. The story is based on events between August 1946 and January 1948. Freedom at Midnight is a historical drama series starring Siddharth Gupta as Jawaharlal Nehru, Chirag Vohra as Mahatma Gandhi, and Rajendra Chawla as Sardar Vallabhbhai Patel. Fans have been eagerly awaiting its second installment, which will soon be released. The series explores themes like India's freedom struggle, the tragic Partition of India and Pakistan, the political power struggles, and the clashing ideologies of Gandhi, Nehru, Patel, and Jinnah. The second season of Freedom at Midnight will premiere on SonyLIV on January 9, 2026. What is the storyline of the series? The series is based on events between August 1946 and January 1948 and depicts India's final journey towards independence. It focuses on the growing differences between Mahatma Gandhi and Muhammad Ali Jinnah, particularly related to Jinnah's demand for a separate nation, Pakistan. It also depicts Mahatma Gandhi's appeal to Sardar Patel in response to Jinnah's demand. Who played what roles? In addition to the main characters, the series also features stars like Luke McGibney as Lord Louis Mountbatten, Cordelia Bugeja as Edwina Mountbatten, Malishka Mendonsa as Sarojini Naidu, Arif Zakaria as Muhammad Ali Jinnah, Ira Dubey as Fatima Jinnah, and Rajesh Kumar as Liaquat Ali Khan. Produced by Nikhil Advani, this historical series is based on the bestselling novel of the same name by Dominique Lapierre and Larry Collins. It is written by Abhinandan Gupta, Gundeep Kaur, Advitiya Karen Das, Ethan Taylor, Revanta Sarabhai, and Divya Nidhi Sharma, while Nikkhil Advani is the director.

A thrilling crime thriller, with a mysterious death adding to the suspense. When and where to watch "Cheekatilo"?

Sobhita Dhulipala is bringing a crime suspense thriller, the release date of which has been announced. If you're looking for a good thriller drama, this is a must-see on your watchlist. Find out when and where you can watch this film. Sobhita Dhulipala's new film announced - Sobhita Dhulipala to star in a crime thriller - The story of a 'true podcaster' will be released on OTT. "Made in Heaven" actress Sobhita Dhulipala is returning to action after a year and a half. She was last seen in the 2024 film "Love, Sitara," which was a family drama. Now, Sobhita's upcoming film has been announced, and this time, she will be seen solving the mystery of a mysterious death, not a family issue. Sobhita Dhulipala's upcoming film is Cheekatilo. The actress's upcoming film was announced on January 8, 2026, along with a first look. The film's story is filled with suspense, thriller, and mystery. The actress's role in this film is also going to be powerful. Sobhita Dhulipala's new film announced - Sobhita Dhulipala will be seen playing the role of a 'true podcaster' in the Telugu thriller Cheekatilo. The first poster of the film has been shared. The poster features Sobhita, the anklets on the board behind her, and the mysterious death connected to it... enough to increase the thrill of the film's story. The caption sharing the poster reads, "Before night falls, evening arrives. Prepare for the impact." What is the story of the film? - Directed by Sharan Kopishetty, Cheekatilo revolves around Sandhya, a true-crime podcaster. Her journey in search of the truth uncovers some of the city's darkest and most horrifying secrets. In her persistent pursuit of justice after the mysterious death of her intern, she uncovers a shocking chain of horrific crimes. What follows is a series of mysteries, suspense, and thrillers. When is Cheekatilo releasing on OTT? - The Telugu original film Cheekatilo will stream on Amazon Prime Video from January 23, 2026. The film stars Sobhita Dhulipala and Vishwadev Rachakonda in lead roles, while actors like Chaitanya Vishalakshmi, Isha Chawla, Jhansi, Aamani, and Vadlamani Srinivas will also be seen in pivotal roles.

Priyanka Chopra goes all out, her powerful look from 'The Bluff' released

Priyanka Chopra will be seen showing off her action in SS Rajamouli's Varanasi-themed film, The Bluff. The actress's look from the upcoming Hollywood film has been revealed. Find out when and where the film will be released. The Bluff will be released on OTT platforms instead of theaters. Priyanka Chopra will be seen playing a mother - the actress's stunning look from The Bluff revealed. Global icon Priyanka Chopra's upcoming film, The Bluff, is ready for release. The Desi Girl wrapped shooting for the film in 2024. Now, two years later, the actress's first look from the film has been revealed, and it has gone viral on the internet. Priyanka Chopra's long-awaited release, The Bluff, will see the actress in an action avatar. Now, the actress's powerful looks from the film have been shared, raising the level of curiosity among fans. Priyanka's look from The Bluff was revealed on January 8, 2026. Several posters of Priyanka Chopra from the Russo Brothers-produced film The Bluff were shared. In one poster, the actress is seen sword fighting. In another, she can be seen in an Indian look with a scarf on her head. Some posters show the actress in an intense look, covered in blood. The caption of this post reads, "Survive at any cost." In this film, Priyanka Chopra plays the role of Carl Urban, a protector and mother. When will The Bluff release? - Priyanka Chopra's movie The Bluff will be released directly on OTT platforms instead of theaters. The film is scheduled to release on Amazon Prime Video on February 25, 2026. Directed by Frank E. Flowers, the film is also co-produced by Priyanka. Priyanka Chopra's Upcoming Movies - In addition to The Bluff, Priyanka Chopra has another big film she's currently shooting. This film is SS Rajamouli's Varanasi. Priyanka will be seen in an action avatar in this film as well. However, its release date has not yet been announced.